1

भारत की तटीय सीमा सुरक्षा प्रबंधन

6

4.

सभी मछुआरों तथा तटीय गाँव वालों के लिए बहुउद्देश्यीय पहचान-पत्र एवं मछुआरों के लिए 'सामान्य राष्ट्रीय लाइसेंस' की व्यवस्था

2

भौतिक प्रबंधन

7

5.

आतंकवादियों से निपटने के लिए एकीकृत कमान तथा द्वीपीय प्रदेशों के संचालन हेतु संयुक्त कमान / अंडमान निकोबार कमान

[पोर्ट ब्लेयर में संयुक्त कमान (थल + जल + वायु सेना) का गठन]

3

1. तटीय सुरक्षा का त्रिस्तरीय तंत्र

(i) बाहरी स्तर– (200 समुद्री मील एवं उससे बाहर) भारतीय नौसेना – 98,350

(ii) मध्य स्तर– (तट से 12 समुद्री मील के बाद एवं 200 समुद्री मील के पहले) Indian Coast Guard – 10,400 (1978)

(iii) आंतरिक स्तर– तट से 12 समुद्र मील तक – तटीय पुलिस (183 तटीय स्टेशन)

8

6.

नौसैनिक संपत्ति एवं राष्ट्रीय संपत्ति के रक्षार्थ 'सागर प्रहरी बल' की स्थापना

4

2. तटीय सुरक्षा का आधुनिकीकरण

(i) नौकाओं पर GPS तथा विशेष Transponder की अनिवार्यता तथा Inter-cepter Boat पर बल

(ii) अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बोट एवं बन्दरगाह की निगरानी व्यवस्था

9

7.

खुफिया जानकारी जुटाने तथा सभी सुरक्षा बलों एवं जाँच एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित करने हेतु 'संयुक्त कार्यवाही केन्द्र' की स्थापना

5

3.

समुद्री सुरक्षा पर क्षेत्रीय देशों के साथ समन्वय के लिए आईएफसी के परिसर में दिसंबर 2018 को आईएफसी - आईओआर का उद्घाटन किया गया। इस केंद्र का उद्देश्य एक सामान्य सुसंगत समुद्री स्थितिजन्य तस्वीर का निर्माण करके और क्षेत्र के लिए समुद्री सुरक्षा सूचना साझाकरण केंद्र के रूप में कार्य करके क्षेत्र और उससे परे समुद्री सुरक्षा को मजबूत करना है

10

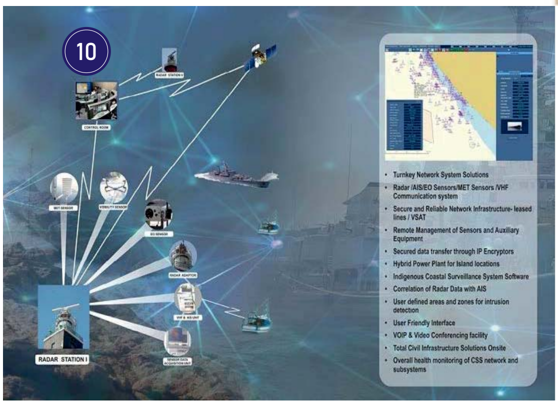

8.

2008 – 2016 – भारत द्वारा 'इंटीग्रेटेड कोस्टल सर्विलांस सिस्टम' (ICSS) प्रारंभ

वर्तमान में यह भारत, मालदीव, मॉरिशस, सेशेल्स और श्रीलंका में चालू

9.

फरवरी, 2022

नौसेना के पूर्व-उपप्रमुख वाइस एडमिरल अशोक कुमार को प्रथम राष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा समन्वयक (NMSC) नियुक्त

(समुद्री मामलों के प्रबंधन के लिए एक शीर्ष निकाय)

10.

30 दिसम्बर 2022

लक्षद्वीप प्रशासन द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक सुरक्षा चिन्ता का हवाला देते हुए कुल 36 द्वीपों में से 17 में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया

7 मार्च 2024

भारत द्वारा 7 मार्च 2024 को लक्षद्वीप (Minicoy) में INS Jatayu नाम का एक नया नौसैनिक अड्डा स्थापित किया गया

11.

आधुनिक पनडुब्बी, युद्धपोत एवं अन्य की तैनाती

31 दिसम्बर 2023 तक

भारत के पास 16 पारंपरिक और 3 परमाणु पनडुब्बियाँ सेवा में हैं।

पनडुब्बी बेड़े में 7 रूसी किलो श्रेणी की पनडुब्बियाँ, 4 जर्मन HDW, 5 स्कॉर्पीन श्रेणी की पनडुब्बियाँ और स्वदेशी परमाणु बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी INS अरिहंत शामिल हैं

Project 75 India– यह भारतीय नौसेना का एक कार्यक्रम है जिसमें स्कॉर्पीन क्लास की छः पनडुब्बियों का स्वदेशी निर्माण शामिल है।

इस प्रोजेक्ट के तहत पांच पनडुब्बियों ...

1. INS कलवरी- दिसंबर 2017
2. INS खंडेरी - सितंबर 2019
3. INS करंज - मार्च 2021
4. INS वेला - नवंबर 2021
5. INS वागीर - जनवरी 2023

को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया

6. INS वाग्शीर - शामिल नहीं

जनवरी 2024

हिंद महासागर में एक ब्लू-वॉटर नेवी के निर्माण हेतु भारतीय नौसेना ने 68 नए युद्धपोतों और जहाजों के लिए ऑर्डर दिया है, जिनकी कुल कीमत लगभग 2 लाख करोड़ रुपये है।

भारतीय नौसेना ने 2035 तक 175 युद्धपोत तथा लड़ाकू विमानों, विमानों, हेलीकॉप्टरों और ड्रोनों की संख्या को बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है

अक्टूबर, 2014

INS Chakra – Nuclear Power Submarine की तैनाती

मार्च, 2016

K-4 सबमरीन लॉन्च बैलेस्टिक मिसाइल INS अरिहन्त से लॉन्च

दिसम्बर 2016

INS अरिहन्त प्रथम स्वदेशी परमाणु पनडुब्बी की अण्डमान निकोबार में तैनाती

21

2016

स्वदेशी विमानवाहक INS विक्रांत तथा स्वदेशी परमाणु पनडुब्बी अरिहंत के न्यूक्लियर रियेक्टर को चालू करके– Deep Blue Navy का निर्माण प्रारंभ

22

2016

P-8I Anti Submarine Hunter Aircraft की अण्डमान निकोबार में तैनाती (पोसाइडन-8I)

23

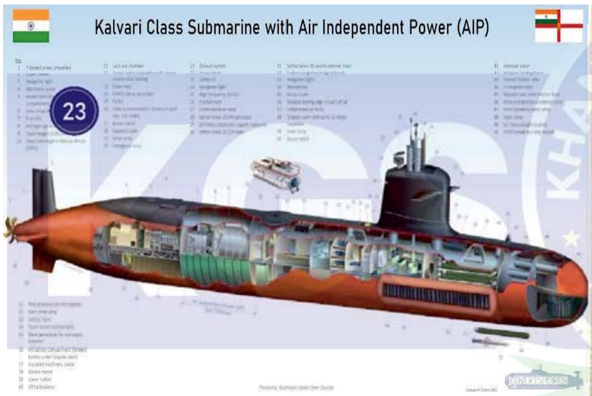

दिसम्बर 2017

Project 75 India के तहत प्रथम स्वदेशी Kalvari-class Submarine भारतीय नौसेना में शामिल

24

सितम्बर, 2017

युद्धपोत तरासा (49M) भारतीय नौसेना में शामिल

25

अक्टूबर, 2017

स्वदेशी युद्धपोत फिलतान (109M) भारतीय नौसेना में शामिल

26

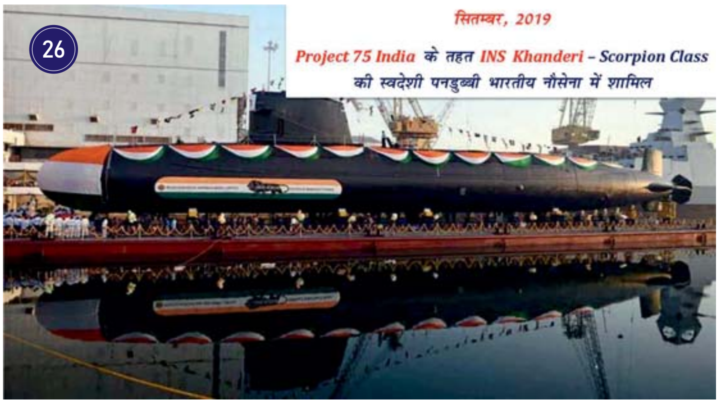

सितम्बर, 2019

Project 75 India के तहत INS Khanderi – Scorpion Class की स्वदेशी पनडुब्बी भारतीय नौसेना में शामिल

27

सितम्बर, 2020

INS अरिघात – स्वदेश निर्मित दूसरी Nuclear Ballistic Submarine का Sea Trial और 29 अगस्त 2024 को भारतीय नौसेना में शामिल

28

दिसम्बर 2020

प्रोजेक्ट 17A के तहत बना प्रथम युद्धपोत हिमगिरि का कोलकाता में Sea Trial

29

अगस्त, 2021

अमेरिका द्वारा भारत को 'हारपून एंटी शिप मिसाइल' बेचने को मंज़ूरी

P-8I एयरक्रॅफ्ट में इंस्टॉल किया जाएगा

30

25 नवम्बर, 2021

Project 75 India के तहत फॉक्सट्रॉट श्रेणी की पनडुब्बी INS वेला भारतीय नौसेना में शामिल

31

25 नवम्बर, 2021

Project 75 India के तहत स्कॉर्पियन श्रेणी की पनडुब्बी INS करंज भारतीय नौसेना में शामिल

32

नवम्बर, 2021

देश का पहला स्टेल्थ गाइडेड मिसाइल डेस्ट्रॉयर INS Visakhapatnam भारतीय नौसेना में शामिल।

इस युद्धपोत पर ब्रह्मोस और बराक मिसाईल तैनात

33

जनवरी, 2022

विशाखापत्तनम् में अरिहंत श्रेणी की तीसरी परमाणु पनडुब्बी एस-4 लॉन्च

34

11 सितंबर 2022

भारतीय युद्धपोत 'तारागिरी' का जलावतरण, अगस्त 2025 तक भारतीय नौसेना को सुपुर्द किया जायेगा

35

सितंबर 2022

पहला स्वदेशी विमान वाहक जहाज INS-Vikrant शुरूआत, यह भारत के समुद्री इतिहास में अब तक बना सबसे बड़ा जहाज है।

36

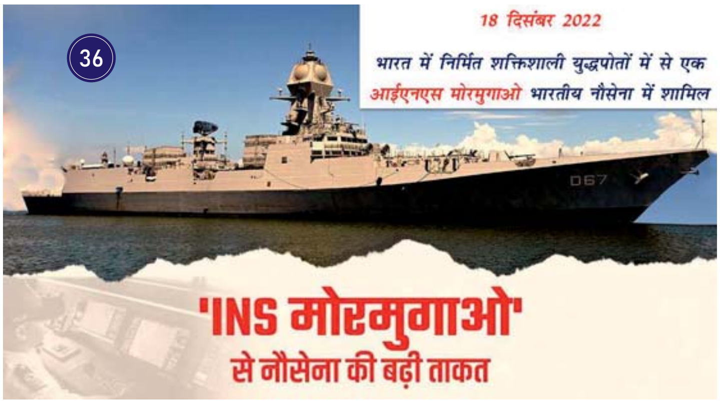

18 दिसंबर 2022

भारत में निर्मित शक्तिशाली युद्धपोतों में से एक आईएनएस मोरमुगाओ भारतीय नौसेना में शामिल

37

23 जनवरी 2023

Project 75 India के तहत कलवारी श्रेणी की पांचवीं पनडुब्बी वागीर भारतीय नौसेना में शामिल

38

1 सितंबर 2023

भारत का नया युद्धपोत महेन्द्रगिरी का जलावतरण

39

समुद्री लुटेरों से सुरक्षा प्रबंधन

40

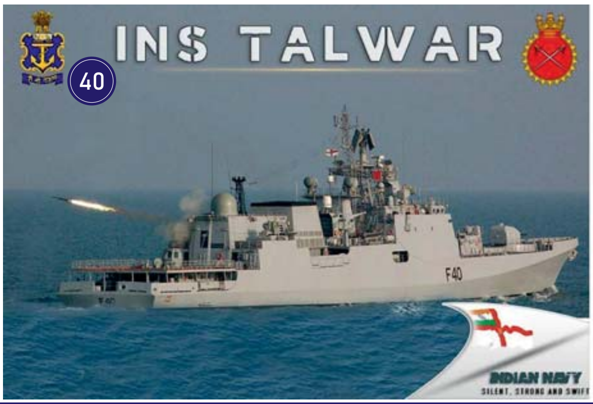

1.

समुद्री लूट से सुरक्षा हेतु– भारत द्वारा INS तलवार की तैनाती

41

2.

भारत द्वारा NATO के साथ मिलकर– 'ऑपरेशन ओसन शील्ड' का संचालन तथा 'यूरोपीय नौसैनिक बल के साथ साझा अभियान'

46

2 फरवरी 2024

भारतीय नौसेना ने (INS Sharda) बचाव अभियानों के तहत सोमालिया के पूर्वी तट पर 11 ईरानी और 8 पाकिस्तानी नागरिकों के चालक दल के साथ एक ईरानी ध्वज लगे मछली पकड़ने वाले जहाज पर समुद्री डकैती के प्रयास को विफल कर दिया।

42

3.

दिसम्बर 2022

The Maritime Anti-Piracy Act, 2022

भारतीय युद्धपोतों को समुद्री डकैती के खिलाफ कारवाई करने की शक्ति प्रदान करने के लिए अधिनियमित

47

कूटनीतिक प्रबंधन

43

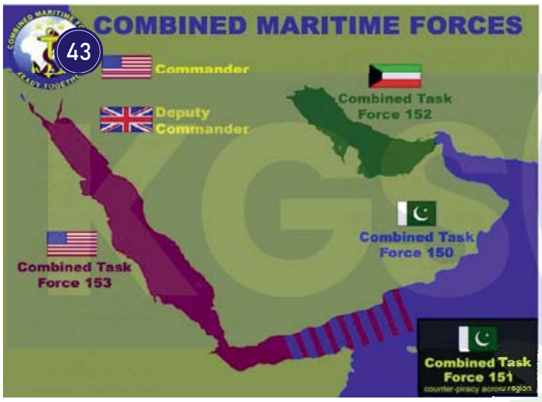

4.

दिसम्बर 2023– भारत 39 सदस्यीय संयुक्त समुद्री बल (Combined Maritime Force) में शामिल

इस फोर्स का मुख्यालय बहरीन में है

48

(a)

हिन्द महासागर में भारत का युद्ध अभ्यास

44

5.

जनवरी 2024

समुद्री डकैतों से बचाने के लिए भारतीय नौसेना द्वारा अरब सागर और अदन की खाड़ी में कुल 10 युद्धपोत तैनात (इनमें INS मोरमुगाओ, INS कोलकाता, INS कोच्चि, INS चेन्नई, INS तरकश, INS तलवार शामिल)

49

हिन्द प्रशांत क्षेत्र में नवीन गठबंधन रणनीति द्वारा चीन को संतुलित करने का प्रयास –

1. मालाबार अभ्यास
2. MILAN नौसैनिक अभ्यास
3. भारत - आस्ट्रेलिया AUSINDEX & AUSTIHIND
4. भारत - अमेरिका TIGER TRUMP & CUTLASS
5. भारत - श्रीलंका - SLINEX
5. भारत - फ्रांस - VARUNA

45

5 जनवरी 2024

INS चेन्नई भारतीय नौसेना के मार्कोस कमांडो ने एक बड़े ऑपरेशन द्वारा सोमालिया के पास समुद्री लुटेरों द्वारा हाईजैक किये गये जहाज एमवी लीला नॉरफोक पर सवार 15 भारतीय सहित 21 क्रू मेंबर्स को बचाया

50

अक्टूबर 2022

भारत-अमेरिका नौसेना अभ्यास– 'टाईगर ट्रंफ' तीसरा संस्करण विशाखापट्टनम में सम्पन्न

अप्रैल 2023

10वाँ भारत-श्रीलंका द्विपक्षीय नौसेना अभ्यास SLINEX संपन्न

2023

भारत और इंडोनेशिया का नौसैनिक अभ्यास चौथा संस्करण 'समुद्र शक्ति'

मई 2023 में इंडोनेशिया में सम्पन्न

मालाबार अभ्यास

21 अगस्त, 2023

सिडनी के पास ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट पर संपन्न।

इस अभ्यास में.. भारतीय नौसेना, रॉयल ऑस्ट्रेलियन नेवी, जापान मैरीटाइम सेल्फ डिफेंस फोर्स और यूएस नेवी ने भाग लिया।

8 - 18 अक्टूबर 2024 - मालाबार नौसैनिक अभ्यास विशाखापट्टनम में सम्पन्न

25 अगस्त 2023

AUSINDEX - 23

भारत-ऑस्ट्रेलिया नौसैनिक अभ्यास पाँचवा संस्करण

22-25 अगस्त 2023

सिडनी (ऑस्ट्रेलिया) में संपन्न

2023

भारत-फ्रांस द्विपक्षीय नौसेना अभ्यास 'Varuna' का 21वां संस्करण - अरब सागर में दो चरणों में जनवरी और सितंबर में संपन्न

दिसम्बर 2023

संयुक्त सैन्य अभ्यास AUSTRAHIND - 23 के दूसरे संस्करण में भाग लेने के लिए 81 कर्मियों वाला भारतीय सशस्त्र बल का दस्ता ऑस्ट्रेलिया पहुँचा और यह अभ्यास 22 नवंबर से 06 दिसंबर 2023 तक पर्थ, ऑस्ट्रेलिया में संपन्न हुआ

8 मार्च 2024

बहुराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास Cutlass Express - 2024 सेशेल्स में...

26 फरवरी-8 मार्च 2024 को संपन्न

इसमें 16 देशों की नौसेना ने भाग लिया

इसमें भारतीय नौसेना का प्रतिनिधित्व INS Tir द्वारा किया गया

मार्च 2024

भारतीय नौसेना का संयुक्त युद्धाभ्यास MILAN - 24 का 12वाँ संस्करण - 51 देशों की नौसेनाओं के साथ विशाखापट्टनम में संपन्न

मुख्य थीम

'ड्रोन हमला' एवं 'समुद्री डकैती' से बचाव

60

(b)

भारत द्वारा अन्य देशों के साथ समुद्री सुरक्षा के संदर्भ में विभिन्न संधियाँ / समझौता

61

1997 – इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन (IORA)

62

1997

हिंद महासागर क्षेत्र के देशों द्वारा आपसी क्षेत्रीय सहयोग द्वारा स्वयं को मजबूत बनाने हेतु

1997 में –
हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (IORA) का गठन (23 सदस्य देश)

63

2007 – 2008
2017

Quadrilateral Security Dialogue (QUAD)
India, Japan
USA, Australia

64

जून, 2014

'प्रोजेक्ट मौसम'
प्रारंभ

65

2015 – भारत की सागर (सिक्योरिटी ऍंड ग्रोथ फॉर आल इन द रीजन (SAGAR) नीति

66

2016–2018–2020

भारत-अमेरिका समझौता –
LEMOA - 2016,
COMCASA - 2018
और
BECA - 2020
से चीन को संतुलित करने का प्रयास

67

2011 – 2020

भारत द्वारा....
'कोलंबो सिक्योरिटी कॉनक्लेव'
श्रीलंका, मालदीव और सेशेल्स के साथ हिन्द महासागर में रक्षा पहल

(नया सदस्य मॉरीशस)

68

मार्च 2018

हिंद महासागर में 'भारत - फ्रांस समुद्री सहयोग का साझा सामरिक दृष्टिकोण' के रूप प्रयास

69

मार्च 2019

ISRO और फ्रांसीसी अंतरिक्ष एजेंसी CNES के बीच हिंद महासागर की निगरानी हेतु एक 'संयुक्त समुद्री निगरानी प्रणाली' स्थापित करने हेतु समझौता

70

2017 - INSTC

INSTC एक बहु-मॉडल परिवहन मार्ग है जो हिंद महासागर और फारस की खाड़ी को ईरान के माध्यम से कैस्पियन सागर और रूस में सेंट पीटर्सबर्ग के माध्यम से उत्तरी यूरोप तक जोड़ता है।

INSTC में समुद्र के रास्ते मुंबई (भारत) से चाबहार (ईरान) तक, चाबहार से बंदर-ए-अंजली (कैस्पियन सागर पर एक ईरानी बंदरगाह) तक सड़क मार्ग से माल के अवागमन की परिकल्पना

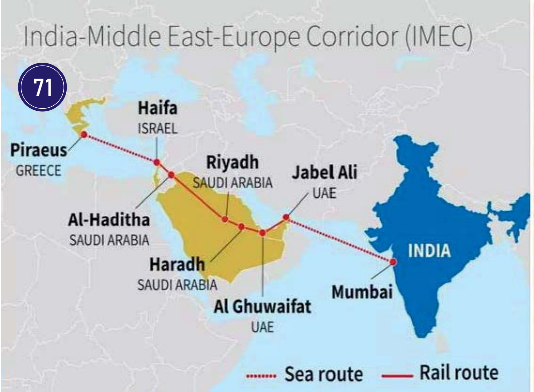

सितंबर 2023 में दिल्ली में G-20 शिखर सम्मेलन में भारत-मध्य पूर्व-यूरोप गलियारा (IMEC) परियोजना पर हस्ताक्षर

(हस्ताक्षरकर्ता - भारत, सऊदी अरब, USA, UAE, EU, इटली, फ्रांस, जर्मनी)

जून, 2018

भारत इंडोनेशिया सामरिक सहयोग समझौता– इसके तहत भारत सबांग बंदरगाह का सैन्य इस्तेमाल कर सकेगा

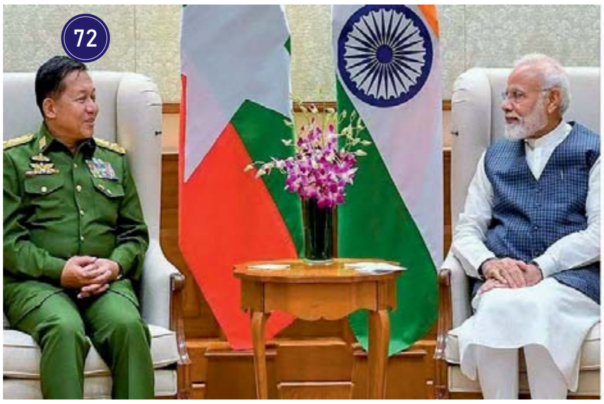

2014

भारत - म्यान्मार सैन्य सहयोग समझौता

नवम्बर, 2017

भारत - सिंगापुर रक्षा समझौता

फरवरी, 2016

म्यान्मार के साथ अंडमान सागर एवं बंगाल की खाड़ी में समन्वित गश्त हेतु समझौता

2022

श्रीलंका में आर्थिक संकट

भारत द्वारा श्रीलंका को 4 अरब डॉलर की कर्ज सहायता

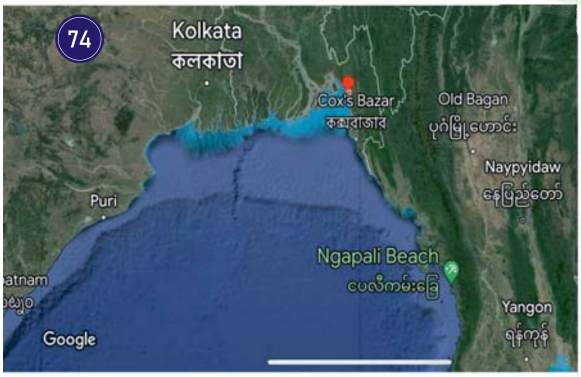

जून, 2015

बांग्लादेश के चिटगाँव एवं मोंगला पोर्ट के प्रयोग संबंधी समझौता

21 जुलाई 2023

श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की भारत यात्रा

आर्थिक संकट के दौरान भारत द्वारा श्रीलंका को प्रदान की गई एकजुटता और समर्थन के लिए श्रीलंका के तरफ से 'गहरी सराहना' एवं धन्यवाद

श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा श्रीलंका के तमिल समुदाय के हित में 13वें संशोधन को लागू करने की श्रीलंका सरकार से अपेक्षा

2016

इण्डोनेशिया एवं थाईलैंड के साथ समुद्र में समन्वित गश्त हेतु 'मानक प्रचालन प्रक्रिया' पर समझौता

2 नवंबर 2023

भारत ने श्रीलंका को 1.5 करोड़ (15 मिलियन) डॉलर का 'ऐतिहासिक' अनुदान देने का एलान।

राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा कोलंबो में द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर।

81

जनवरी 2024

भारत और अमेरिका द्वारा कड़ी आपत्ति के बाद...

श्रीलंका द्वारा **चीनी जहाजों** को अपने हिंद महासागर के बंदरगाहों पर ठहरने पर एक साल का **प्रतिबंध**

86

6 अक्टूबर 2024 – राष्ट्रपति मो. मुइज्जू की भारत यात्रा – **गाधू ट्रांसशिपमेंट पोर्ट प्रोजेक्ट** का काम भारत को तथा भारत द्वारा मालदीव को 40 करोड़ डॉलर की सहायता

82

23 सितम्बर 2024 अनुरा कुमारा दिसानायका श्रीलंका के राष्ट्रपति निर्वाचित और 'India First' नीति लागू

16 दिसंबर 2024 – श्रीलंका के राष्ट्रपति की भारत यात्रा और कई रक्षा सहयोग समझौता पर सहमति

87

मई, 2016

चाबाहार पोर्ट समझौता

83

2014

भारत-मालदीव समुद्री क्षेत्र सुरक्षा, सहयोग एवं संयुक्त अभ्यास समझौता

88

15 जनवरी 2024

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की ईरान यात्रा और **चबाहार** पर एक महत्वपूर्ण समझौता

अब चबाहार पर भारत का अधिकार 10 साल के लिए वैध रहेगा

(पहले एक साल का था और प्रतिवर्ष इसको Renewal करवाना पड़ता था)

84

फरवरी, 2021

मालदीव के साथ **सिफबरू-अथुरू थलाफलू (GTF)** में **'मालदीव नेशनल डिफेंस फोर्स कोस्ट गार्ड'** को भारत द्वारा विकसित करने हेतु समझौता

89

फरवरी, 2018– भारत-ओमान सामरिक सहयोग समझौता– इसके तहत भारत ओमान के **'दुक्म पोर्ट'** का प्रयोग अपनी **सैन्य गतिविधियों** एवं **Logistic Support** के लिए कर सकेगा

FAKE IMAGE

85

ORIGINAL IMAGE

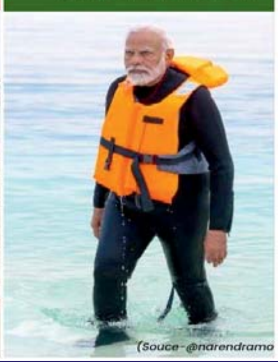

5 जनवरी 2024

श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय पर्यटकों द्वारा **मालदीव** का बहिष्कार

90

15-16 दिसंबर 2023

ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक का तीन दिवसीय भारत दौरा और भारतीय कमर्शियल कार्गो और युद्धपोतों को डॉक करने के लिए भारत को **दुक्म बंदरगाह** पर एक विशेष क्षेत्र आवंटित

2015

भारत द्वारा सेशेल्स के असेम्पशन द्वीप पर Navel Base बनाने संबंधी समझौता

जून, 2017 में सेशेल्स द्वारा रद्द

प्रयास जारी

2015

भारत-वियतनाम रक्षा सहयोग समझौता एवं भारतीय नेवी हेतु वियतनाम पोर्ट के प्रयोग पर सहमति

मार्च, 2015

मॉरीशस के स्वामित्व वाला अगालेगा द्वीप पर भारत द्वारा नौसैनिक अड्डा विकसित करने हेतु समझौता

29 फरवरी 2024

भारत ने 29 फरवरी 2024 को मॉरीशस के अगालेगा द्वीप समूह में भारत की सहायता से निर्मित एक हवाई पट्टी और एक जेटी का उद्घाटन किया

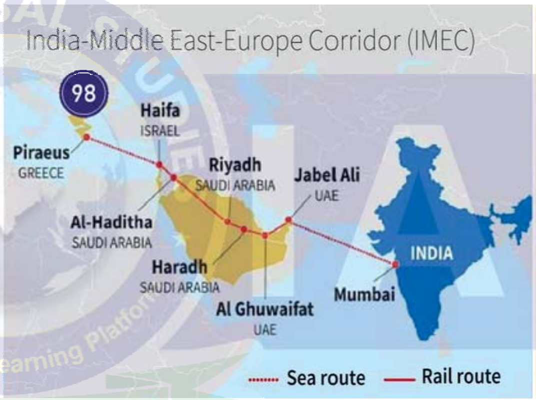

सितंबर 2023 में दिल्ली में G-20 शिखर सम्मेलन में भारत-मध्य पूर्व-यूरोप गलियारा (IMEC) परियोजना पर हस्ताक्षर

हस्ताक्षरकर्ता देश

भारत, सऊदी अरब, USA, UAE, EU, इटली, फ्रांस, जर्मनी

यह यात्रा वर्तमान भारत-मालदीव संबंध के संदर्भ में तथा SAGAR पहल के लिये महत्वपूर्ण है

11 मार्च 2024

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु की मॉरीशस की पहली राजकीय यात्रा - मॉरीशस के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की दिशा में प्रयास

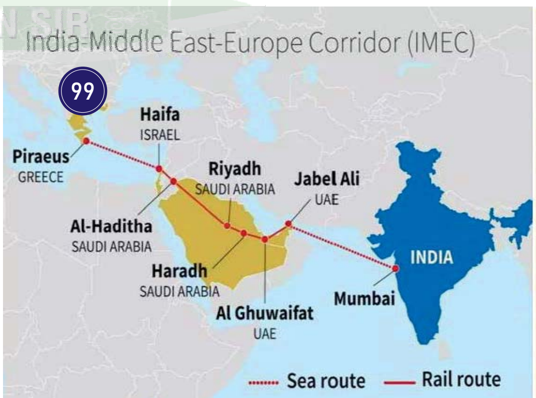

IMEC वैश्विक अवसंरचना और निवेश साझेदारी (PGII) का हिस्सा है जिसमें रेल मार्ग, शिप-टू-रेल नेटवर्क और सड़क परिवहन मार्ग शामिल होगें

6 दिसंबर 2023

भारतीय नौसेना का जहाज सुमेधा 4-6 दिसंबर 2023 तक भारतीय नौसेना की लंबी दूरी की मिशन आधारित तैनाती के एक भाग के रूप में, मेडागास्कर के अंत्सिरानाना में

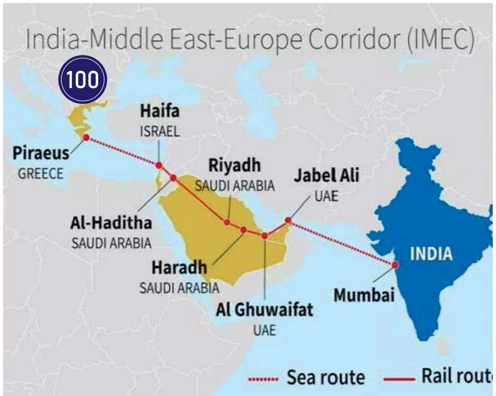

IMEC का सामरिक महत्व

1. चीन के BRI का एक विकल्प प्रस्तुत कर चीन को तटस्थ करना
2. अरब प्रायद्वीप के साथ रणनीतिक संबंध में वृद्धि करना
3. अफ्रीका के साथ रणनीतिक संबंध में वृद्धि करना
4. अन्तर-क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और शांति को बढ़ावा देना
5. पाकिस्तान पर रणनीतिक वर्चस्व को स्थापित करना
6. हिन्द महासागर में चीन के बढ़ते प्रभाव को कम करना

101

Logistics Exchange Memorandum of Agreement (LEMOA)

102

30 अगस्त, 2016

भारत का अमेरिका के साथ एक महत्वपूर्ण संधि पर हस्ताक्षर साजो समान के अदान-प्रदान समझौता (LEMOA – Logistics Exchange Memorandum of Agreement)

103

इस समझौते का सामरिक महत्व–

(i) भारत एवं अमेरिका के बीच रक्षा व्यापार एवं प्रौद्योगिकी सहयोग संभव

(ii) साजो समान का आदान-प्रदान संभव

(iii) दोनों देश एक-दूसरे के सैन्य विमानों एवं जमीन का इस्तेमाल कर सकेंगे

(iv) संयुक्त सैन्य अभ्यास एवं प्रशिक्षण संभव

104

Communication Compatibility & Security Agreement (COMCASA)

105

1.

6 सितंबर, 2018– भारत और अमेरिका के बीच COMCASA (कम्युनिकेशंस कमपैटबिलिटी एंड सिक्योरिटी एग्रीमेंट) पर हस्ताक्षर।

इससे भारत-अमेरिका से अति-आधुनिक रक्षा तकनीक प्राप्त कर सकेगा, जिससे दोनों देशों की सेनाएँ और शक्तिशाली हो जाएगी

106

2.

COMCASA का सामरिक महत्व

107

(i)

दोनों देशों के बीच अति-आधुनिक लड़ाकू विमानों के हार्डवेयर की अदला-बदली संभव

108

(ii)

भारत द्वारा अमेरिका के अति-आधुनिक रक्षा-संचार उपकरणों का उपयोग कर पाना संभव

109

(iii)

दोनों देशों के बीच Technology Transfer में आने वाली कानूनी रूकावटें समाप्त

110

(iv)

भारत द्वारा अमेरिकी रक्षा प्लेटफॉर्म का उपयोग कर पाना संभव

111

Basic Exchange and Cooperation Agreement (BECA)

112

1\. अक्टूबर, 2020– भारत और अमेरिका के बीच BECA समझौता पर हस्ताक्षर

113

2\. इस समझौते का सामरिक महत्व

114

(i) भारत को अमेरिका की उच्च तकनीक का फायदा मिलेगा

115

(ii) अमेरिकी सैटेलाइटों द्वारा जुटाई गई जानकारियाँ भारत के साथ साझा की जा सकेंगी

116

(iii) अमेरिका के संवेदनशील संचार डाटा तक भारत की पहुँच होगी

117

(iv) इससे भारतीय मिसाइलों की क्षमता सटीक और बेहद कारगर होगी

118

(v) ये समझौता दोनों देशों को सशस्त्र बलों के बीच विस्तारित भू-स्थानिक जानकारी साझा करने की अनुमति देगा

119

LEMOA, COMCASA & BECA का भारत के लिये सामरिक / रक्षा लाभ

120

1\. रक्षा प्रौद्योगिकी एवं आधुनिकतम हथियारों की प्राप्ति संभव

121

2.

विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में रक्षा प्लेटफॉर्म / Base की उपलब्धता संभव

122

3.

पाकिस्तान के साथ शक्ति संतुलन की स्थापना संभव

123

4.

दक्षिण चीन सागर एवं हिन्द महासागर में चीन के साथ शक्ति संतुलन की स्थापना संभव

124

5.

जम्मू-कश्मीर मुद्दे पर अमेरिकी सहयोग एवं पाक पर दबाव संभव

125

Project Mausam

(Maritime Roots & Cultural Landscape Across the Indian Ocean)

126

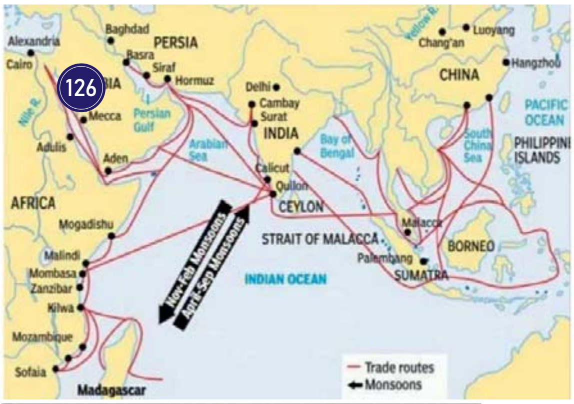

1.

20 जून, 2014– दोहा में होने वाले 'विश्व धरोहर सम्मेलन' के 38वें सत्र में भारत के 'सांस्कृतिक मंत्रालय' द्वारा 'प्रोजेक्ट मौसम' प्रस्तुत एवं प्रारम्भ

127

2.

इस परियोजना में सम्पूर्ण हिन्द महासागर क्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय सम्पत्ति के रूप में UNESCO की 'विश्व धरोहर सूची में 'Maritime Cultural Landscape' को नामांकित किया जायेगा और भारत से जुड़ने वाली पुराने समुद्री रास्तों का पुनः प्रयोग किया जायेगा

128

3.

प्रोजेक्ट मौसम का सामरिक महत्व

129

(i)

भारत द्वारा प्रोजेक्ट मौसम के जरिये पूर्वी अफ्रीका, अरब, श्रीलंका एवं पूर्वी एशियाई देशों के साथ व्यापार एवं संस्कृति के विस्तार की नयी संभावनाओं की तलाश संभव

130

(ii)

भारत का इन देशों के साथ रक्षा संबंध स्थापित करना संभव

131

(iii)

यह पूर्वी अफ्रीका से इण्डोनेशिया तक भारत को हिन्द महासागर में शक्ति संतुलन प्रदान करेगा

136

1.

निश्चित रूप से सीमा सुरक्षा प्रबंधन के उपरोक्त प्रयासों से भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा समस्या को दूर करना सम्भव हुआ है

132

(iv)

यह हिन्द महासागर में चीन के प्रभाव को कम करने में सहायक होगा

137

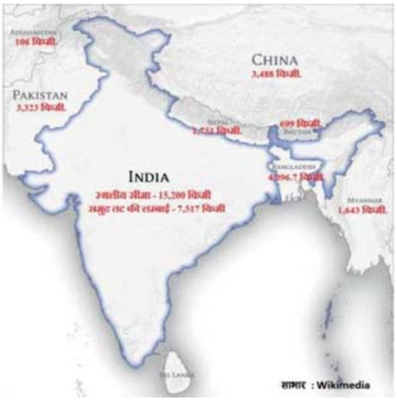

2.

परन्तु अभी भी हम अपेक्षित लक्ष्य से दूर हैं और हमारे स्थलीय सीमा एवं तटीय सीमा पर कई सुरक्षा चुनौतियाँ विद्यमान हैं

133

(v)

यह समुद्री लूटेरों पर नियंत्रण में सहायक होगा

138

3.

अतः आवश्यकता है कुछ सुझावों पर अमल करने की; जैसे–

134

Note :

2015 में चीन ने अपने *Maritime Silk Road Project* को भारत के 'प्रोजेक्ट मौसम' से जोड़ने की और भारत के साथ काम करने की ईच्छा जताई है, ताकि भारत की सामरिक चिंता को दूर करके व्यापारिक एवं आर्थिक लाभ को प्राप्त कर सके

139

(a) भू-सीमा प्रबंधन संबंधित सुझाव

135

सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियाँ एवं प्रबंधन - समीक्षा एवं सुझाव

140

(i)

उत्कृष्ट बाड़ निर्माण, अलार्म प्रणाली, त्वरित कार्यवाही आदि को संभव बनाया जाय

141

(ii)

संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान एवं वहाँ की चौकियों की संख्या एवं उनके बीच की निकटता में वृद्धि (3.5 किमी)

142

(iii)

सीमा सुरक्षा व्यवस्था का आधुनिकीकरण एवं सशक्तिकरण तथा सुरक्षा बलों के मनोबल में वृद्धि

143

(iv)

सीमा रखवाली के सभी ऐजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय की स्थापना

144

(v)

सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों में राष्ट्रवाद की भावना का विकास

145

(vi)

सीमावर्ती क्षेत्रों का सर्वांगीण विकास

146

(vii)

बाड़ एवं सीमा के बीच मानव बस्ती एवं खेती पर प्रतिबंध

147

(viii)

सीमा पर निवास करने वाले व्यक्तियों को विशेष पहचान-पत्र

148

(ix)

सीमा पर शुल्करहित बाजार की व्यवस्था

149

(x)

संबंधित सैनिक अधिकारियों की निरंतर बैठक एवं चीन-पाकिस्तान के संदर्भ में विशेष एवं समुचित कूटनीतिक प्रयास

150

(b) तटीय सीमा प्रबंधन हेतु सुझाव

151

(i)

तटीय पुलिस की संख्या में वृद्धि और उनका आधुनिकीकरण तथा सशक्तिकरण किया जाय

152

(ii)

तटीय पुलिस फोर्स में तटीय गांवों के लोगों की बहाली को प्रोत्साहन दिया जाये

153

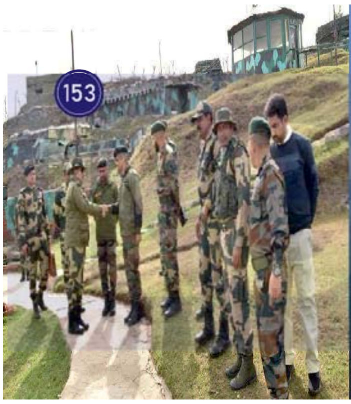

(iii)

द्वीपीय क्षेत्रों के लिए विशेष सुरक्षा हो और यहाँ प्रवासित लोगों को वापस भेजने का प्रयास किया जाये

154

(iv)

पनडुब्बी जहाज और अन्य आधुनिक हथियारों के माध्यम से नौसेना एवं तटरक्षक बल को सशक्त किया जाये और इनके मनोबल को बढ़ाया जाये

155

(v)

हिन्द महासागर में उत्पन्न समस्या पर, विशेष रूप से चीन के संदर्भ में, समुचित कूटनीतिक प्रयास तीव्र किये जाये

156

संभावित प्रश्न

157

1. भारत की तटीय सीमा निर्जन द्वीपों, मैंग्रोव वनों के साथ खाडियों, नदियों एवं नालियों से भरी है जो सीमा को छिद्रिल बना देती है। इस तटीय सीमा के प्रमुख सुरक्षा चुनौतियों एवं इसके प्रबंधन प्रणाली की समीक्षा कीजिए।

2. चीन का Maritime Silk Road Project भारत की तटीय सीमा सुरक्षा से किस प्रकार संबंधित है? इस संदर्भ में तटीय सीमा सुरक्षा हेतु समुचित उपाय सुझाए।

158

3. चीन द्वारा प्रारंभ 'Belt and Road Project' का भारत के स्थलीय एवं तटीय सीमा सुरक्षा के संदर्भ में परीक्षण कीजिए।

4. चीन के 'Maritime Silk Road Project' को भारत के लिए सामरिक चिंता के रूप में देखा जा रहा है। इस संदर्भ में भारत के 'भारत-मध्य पूर्व-यूरोप गलियारा (IMEC)' के सामरिक महत्व पर चर्चा कीजिए?

159

5. हाल के दिनों में हिन्द महासागर में चीन की सैन्य गतिविधियों में वृद्धि हुई है, जो भारत के तटीय सुरक्षा के लिए चिंता का विषय है। इस चिंता के प्रमुख बिंदुओं को दर्शाइए एवं इस चिंता को दूर करने की भारतीय रणनीति की समीक्षा कीजिए?

6. हाल के वर्षों में उत्पन्न भारत की प्रमुख सीमा सुरक्षा चुनौतियों को दर्शाइए एवं इन चुनौतियों के संदर्भ में 'LEMOA, COMCASA & BECA' के सामरिक महत्व पर चर्चा कीजिए?